राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2017

प्रमुख विशेषताएं

1. वर्ष 2016-17 के लिए स्थिर (2011-12) कीमतों पर सकल घरेलू उत्पाद 121.9 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2015-16 के लिए 113.8 लाख करोड़ रुपए का अनुमान रहा था, जो 2016 के दौरान 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। वर्तमान मूल्यों पर, 2016-17 के लिए सकल घरेलू उत्पाद 151.8 लाख करोड़ रुपये का अनुमान है जबकि 2015-16 के लिए यह 136.8 लाख करोड़ रुपये अनुमानित था, जो वर्ष के दौरान 11.0 फीसदी की वृद्धि दर्शाता है।

2. वर्ष 2016-17 के लिए स्थिर (2011-12) कीमतों पर राष्ट्रीय आय (यानी निवल राष्ट्रीय आय) 106.6 लाख करोड़ रुपए है जबकि 2015-16 के लिए यह 99.8 लाख करोड़ रुपए थी, जो 2016-17 के दौरान 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है। वर्तमान कीमतों पर 2016-17 के लिए राष्ट्रीय आय 134.1 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है जो वर्ष 2015-16 के लिए 120.8 लाख करोड़ रुपए के अनुमान के मुकाबले 11.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

3. प्रति व्यक्ति वास्तविक आय अर्थात् 2016-17 के लिए स्थिर (2011-12) की कीमतों पर प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय 82,269 रुपए अनुमानित है जबकि 2015-16 के लिए यह 77,803 रुपए थी। यह 2016-17 के दौरान प्रति व्यक्ति वास्तविक आय में 5.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 2016-17 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 1,03,219 रुपये अनुमानित है जबकि 2015-16 में यह 94,130 रुपए थी जो 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

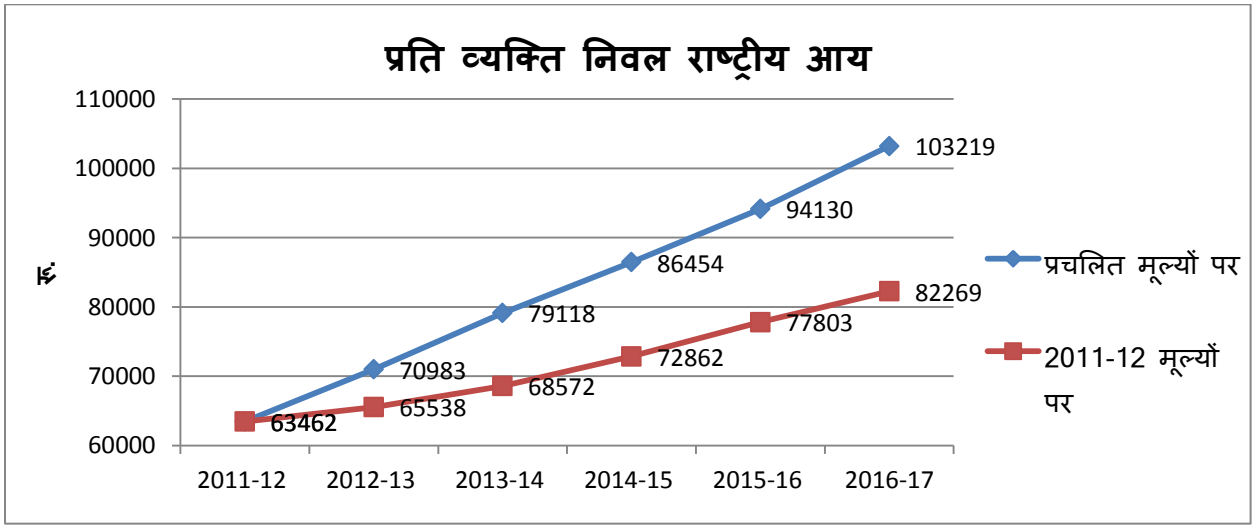

4. वर्ष 2015-16 में, सार्वजनिक क्षेत्र जिसमें सामान्य सरकार (सरकार के प्रशासनिक विभाग तथा स्वायत्त संस्थान) और सार्वजनिक निगम (विभागीय उद्यम एवं गैर-विभागीय उद्यम) शामिल हैं, ने कुल जीवीए में 18.6 प्रतिशत का योगदान दिया। इस अवधि के दौरान, घरेलू क्षेत्र का सबसे अधिक योगदान रहा जिसके बाद कुल जीवीए में निजी गैर-वित्तीय निगम का क्रमश: 43.6 प्रतिशत तथा 34.9 प्रतिशत का योगदान रहा है। 2015-16 के दौरान, सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों की वास्तविक वृद्धि दर क्रमश: 7.3 प्रतिशत और 8.1 प्रतिशत दर्ज की गई, जो 2014-15 में क्रमश: 5.5 प्रतिशत और 7.7 प्रतिशत थी।

5. निम्नलिखित ग्राफ़ में कुल अर्थव्यवस्था और संस्थागत क्षेत्रों का शुद्ध ऋण/उधार दिया गया है।

संस्थागत क्षेत्रों का शुद्ध ऋण/उधार

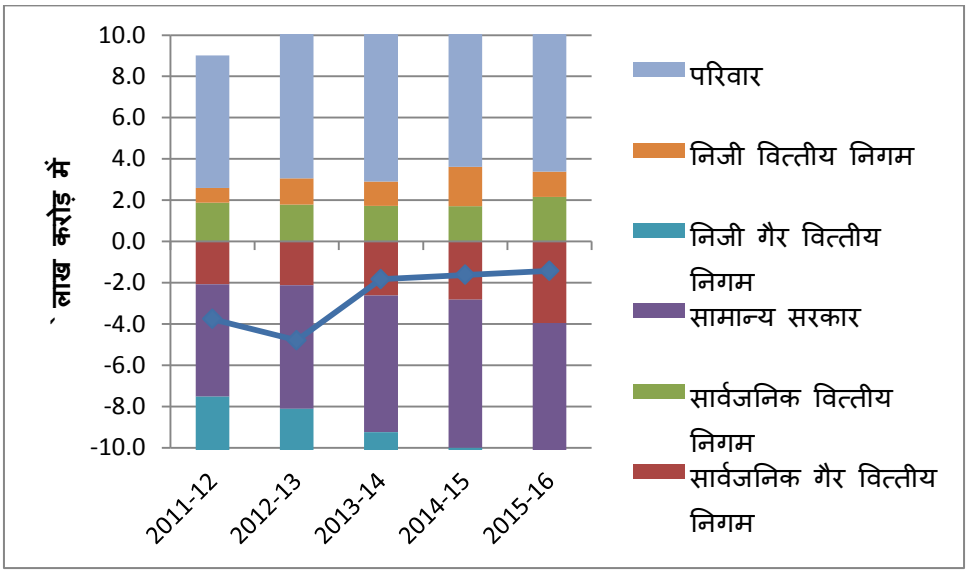

6. कुल अर्थव्यवस्था की शुद्ध उधारी 2014-15 में 1.6 लाख करोड़ रुपए से घटकर 2015-16 के दौरान 1.4 लाख करोड़ रुपए हो गयी। घरेलू क्षेत्र और वित्तीय निगम ऐसे उधारदाता हैं जो सामान्य सरकार और गैर-वित्तीय निगमों के संसाधनों के अंतर को वित्तपोषित करते हैं।

7. वर्तमान कीमतों पर, प्राथमिक और माध्यमिक क्षेत्रों का हिस्सा 2011-12 के क्रमश: 21.7 और 29.3 प्रतिशत से घटकर 2015-16 में क्रमश: 19.8 प्रतिशत और 27.2 प्रतिशत हो गया है। तृतीयक क्षेत्र का हिस्सा 2011-12 के 49 प्रतिशत से बढ़कर 2015-16 में 52.9 प्रतिशत हो गया है।

8. निम्नलिखित चार्टों में मौजूदा कीमतों पर जीवीए की संरचना और वास्तविक जीवीए की विकास दर को अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों के हिस्से के रूप में दर्शाया गया है:

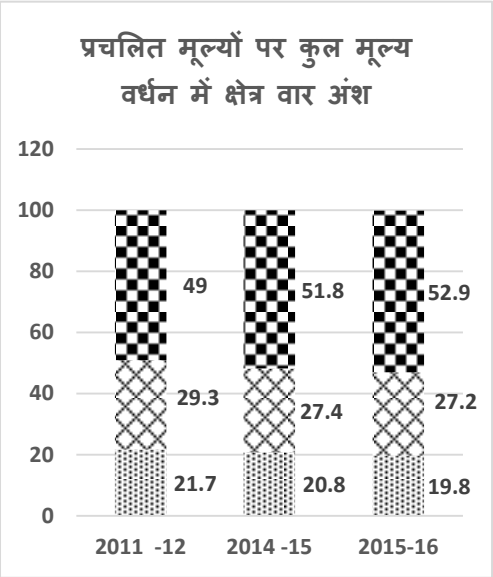

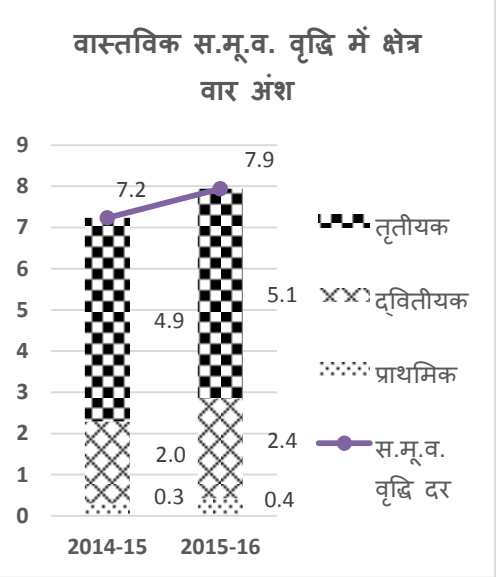

9. वर्ष 2014-15 की अवधि में 7.2 प्रतिशत की अपेक्षा वर्ष 2015-16 की अवधि में वास्तविक जीवीए में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि रही है। 2015-16 के दौरान वास्तविक जीवीए में 2014-15 की अपेक्षा वृद्धि मुख्यत: "विनिर्माण" (10.8%), "निर्माण" (5%), "व्यापार, मरम्मत, होटल और रेस्तरां" (11.2%), "प्रसारण से संबंधित संचार तथा सेवाओं" (16%) और "रियल एस्टेट, आवास-स्वामित्व तथा व्यावसायिक सेवाओं"(12.5%) के कारण हुई है ।

10. फसल और पशुधन क्षेत्रों का प्रदर्शन: 2015-16 में फसल उत्पादन में 1.1 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई जबकि इसी अवधि में पशुधन उत्पादन में 5.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2015-16 में, चावल के उत्पादन में 1.1 प्रतिशत की गिरावट और गेहूं में 8.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि 2014-15 के दौरान इनमें क्रमश: 1.1 प्रतिशत और 9.7 प्रतिशत की गिरावट रही है। खाद्यान्नों के समग्र उत्पादन में, 2015-16 में 0.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि 2014-15 के दौरान 4.9 प्रतिशत की गिरावट रही।

11. वर्ष 2015-16 के दौरान, सीधे एकत्र मूल्य आंकड़ों के आधार पर विभिन्न मूल्य सूचकांकों की प्रतिशत वृद्धि -3.7 प्रतिशत से लेकर 5.6 प्रतिशत तक रही है। इन मूल्य सूचकांकों के संचलन के अनुरूप, सकल घरेलू उत्पाद के वर्तमान और निरंतर मूल्य अनुमानों में निहित मूल्य सूचकांक में 2015-16 में 1.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

12. सकल घरेलू उत्पाद पर व्यय के मुख्य घटक अंतिम उपभोग व्यय और पूंजी निर्माण हैं जो बाजार मूल्य पर मापे जाते हैं। सकल घरेलू उत्पाद की वास्तविक विकास दर में व्यय घटकों का योगदान भी निम्न चार्ट में दिखाया गया है:

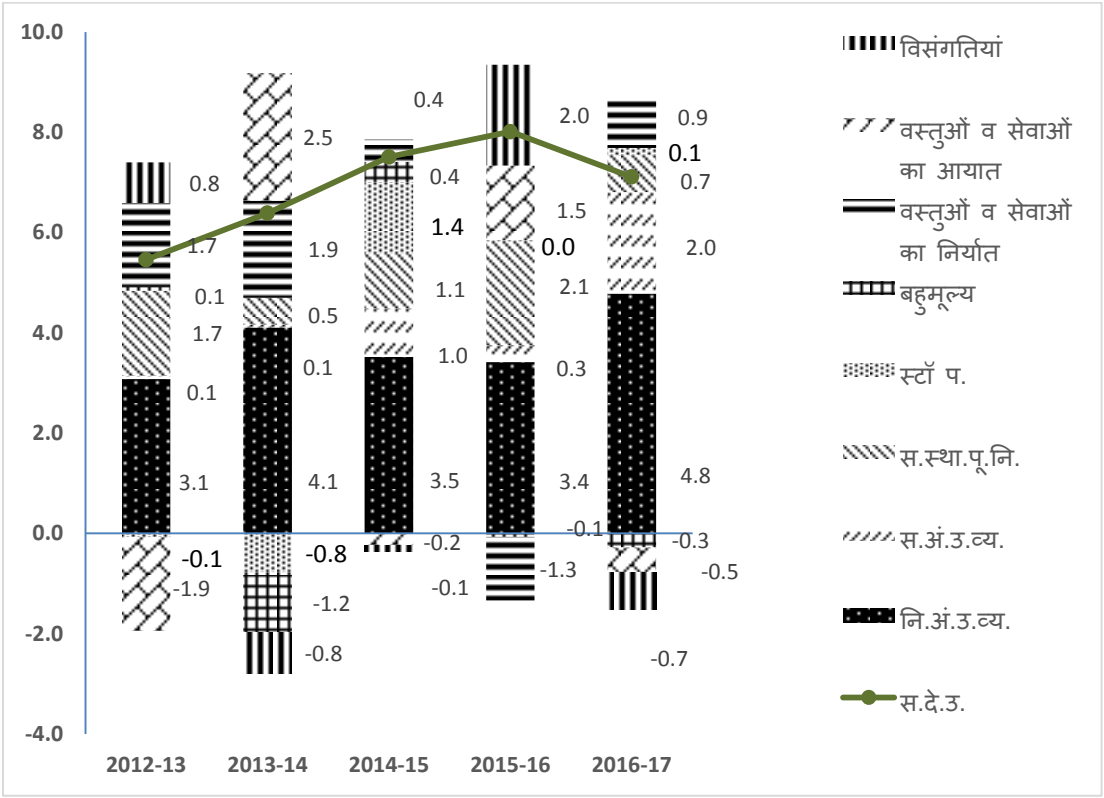

13. वर्तमान कीमतों पर घरेलू बाजार में पीएफसीई 2014-15 में 72.7 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 2015-16 में 79.8 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। स्थिर (2011-12) की कीमतों पर, घरेलू बाजार में पीएफसीई 2014-15 में 59.3 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 2015-16 में 63 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है। 2015-16 में घरेलू बाजार में प्रति व्यक्ति पीएफसीई वर्तमान कीमतों पर 62189 रुपए और स्थिर (2011-12) कीमतों पर 49141 रुपए रहने का अनुमान है जबकि 2014-15 में क्रमश: 57357 रुपए और 46823 रुपए था।

14. वर्ष 2011-12 और 2015-16 के लिए कुल पीएफसीई में सामग्री-समूहों का प्रतिशत हिस्सा निम्न चार्टों में दर्शाया गया है:

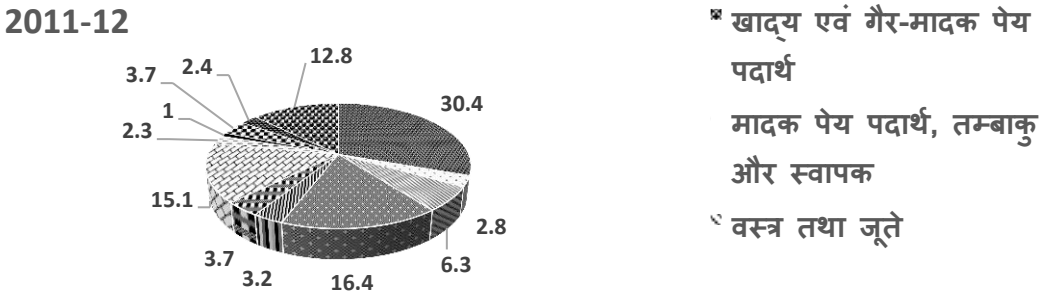

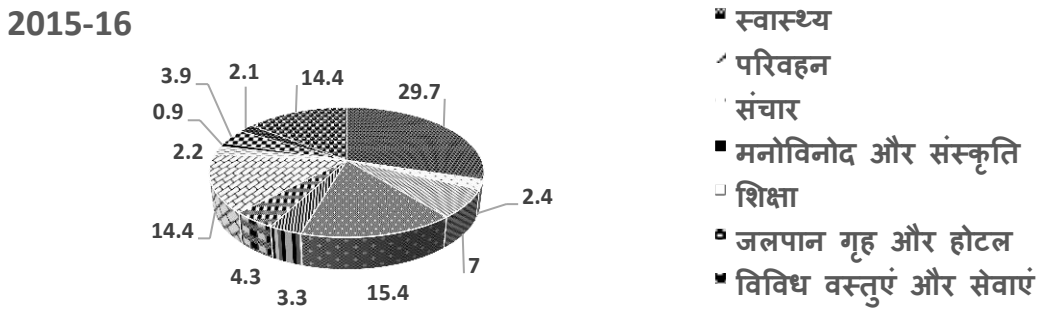

15. वर्ष 2015-16 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर सकल बचत 2014-15 में 41.2 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 44.2 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो कि सकल घरेलू उत्पाद का 32.3 प्रतिशत है जबकि पिछले वर्ष यह 33.1 प्रतिशत थी। सकल बचत की दर में कमी का मुख्य कारण है

(i) परिवार क्षेत्र की बचत दर में 20.5 प्रतिशत से 19.2 प्रतिशत तक की कमी
(ii) वित्तीय निगमों की बचत दर में 2.7 से 2.1 प्रतिशत तक की कमी।

16. वर्ष 2015-16 में शुद्ध बचत 2014-15 में 27.8 लाख करोड़ रुपए के मुकाबले 29.7 लाख करोड़ रुपए दर्ज की गई। यह 2014-15 में 25 प्रतिशत के मुकाबले 2015-16 में एनडीपी का 24.3 प्रतिशत हिस्सा है।

संस्थागत सेक्टरों द्वारा जमा बचत
(बाजार मूल्य पर जीडीपी के लिए दर)

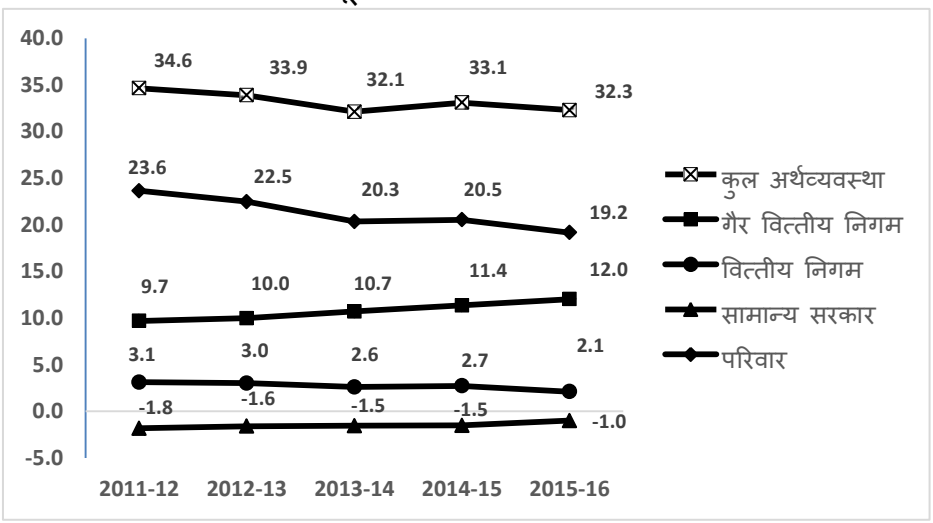

17. वर्तमान कीमतों पर सकल पूंजी सृजन 2014-15 में 42.8 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2015-16 में 45.6 लाख करोड़ रुपये और स्थिर (2011-12) कीमतें 2014-15 में 37.4 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2015-16 में 40.2 लाख करोड़ रुपए हो गई है। वर्तमान कीमतों पर

सकल पूंजी सृजन की दर 2015-16 में 33.3 प्रतिशत है जबकि 2014-15 में यह 34.4 प्रतिशत थी। 2015-16 में पूंजी सृजन की दर, बचत से अधिक थी जिसके कारण विदेश से 1.4 लाख करोड़ रुपए का शुद्ध पूंजी प्रवाह रहा है। स्थिर (2011-12) पर सकल पूंजी सृजन की दर वर्ष 2014-15 में 35.5 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2015-16 में 35.4 प्रतिशत हो गई। 2015-16 में स्थिर कीमतों पर शुद्ध पूंजी सृजन की दर 2014-15 में 27.4 प्रतिशत के मुकाबले 27.3 प्रतिशत रही।

18. वर्तमान कीमतों पर सकल पूंजी सृजन के अंतर्गत, कुल स्थिर पूंजी सृजन (जीएफसीएफ) 2014-15 में 37.8 लाख करोड़ रुपये के मुकाबले 2015-16 में 40 लाख करोड़ रुपए है। वर्तमान कीमतों पर, गैर-वित्तीय निगमों का सकल स्थिर पूंजी सृजन 2014-15 में 17.2 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 2015-16 में 19.4 लाख करोड़ रुपये हुआ है, वित्तीय निगमों का 2014-15 में 0.4 लाख करोड़ रुपए से 2015-16 में 0.5 लाख करोड़ रुपए और सामान्य सरकार का 2014-15 में 4.4 लाख करोड़ रुपए से 2015-16 में 5.4 लाख करोड़ रुपए हुआ है जबकि परिवार क्षेत्र में 2014-15 में 15.8 लाख करोड़ रुपए से घटकर 2015-16 में 14.8 लाख करोड़ रुपये हुआ है।

19. वर्तमान कीमतों पर इन्वेंट्रीज के स्टॉक में बदलाव (सीआईएस) 2014-15 में 3.1 लाख करोड़ रुपए से घटकर 2015-16 में 3 लाख करोड़ रुपये हुआ है।

20. वर्तमान मूल्यों पर वर्ष 2011-12 और 2015-16 के लिए सकल घरेलू उत्पाद में सकल स्थिर पूंजी सृजन की दर को निम्न चार्ट में दर्शाया गया है:

वर्तमान कीमतों पर सकल स्थिर पूंजी सृजन

(जीडीपी के लिए दर)

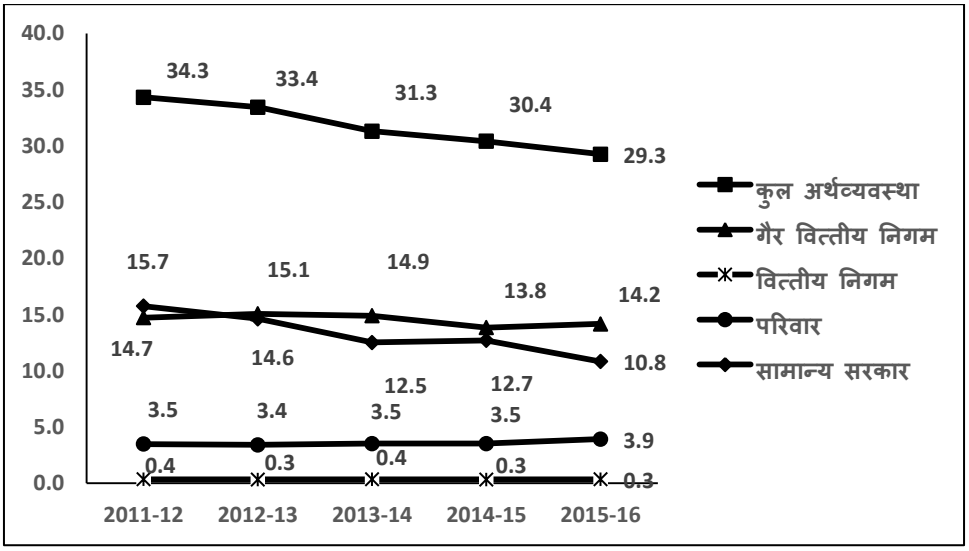

21. वर्ष 2015-16 के दौरान उद्योगों में उपयोग के द्वारा कुल जीसीएफ में सही अर्थों में लगभग 6.2 प्रतिशत की वृद्धि विनिर्माण, बिजली, गैस, जल-आपूर्ति और अन्य उपयोगी सेवाओं, व्यापार, मरम्मत, होटल और रेस्तरां, परिवहन, भंडारण, संचार और प्रसारण से संबंधित सेवाओं, वित्तीय सेवाओं, लोक प्रशासन तथा रक्षा और अन्य सेवाओं के कारण हुई है।

22. यह देखा गया है कि सरकार के मौजूदा खर्च में 59.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि पूंजीगत व्यय में, 2011-12 से 2015-16 की अवधि के दौरान 48.2 प्रतिशत वृद्धि रही है।

***